MRDE-002

M.A. (RURAL DEVELOPMENT)

Term-End Examination

00496

December, 2012

MRDE-002 : VOLUNTARY ACTION IN RURAL DEVELOPMENT

Time : 3 hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Attempt all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answers to question nos. **1** and **2** should not exceed **800** words each.*

---

1. Describe the fundamental tenets of voluntary associations in a democratic society. **20**

OR

Explain the basic features of the structure of voluntary organisations. **20**

2. Describe the problems faced by VOs/NGOs in rural areas. **20**

OR

Discuss the relationship between State and capacity building of NGOs in the context of rural development. **20**

3. Answer **any two** of the following in about **400** words each :

(a) Describe the essential elements of voluntaristic theory of Action. **10**

(b) Discuss the important issues of VOs in regard to social transformation in rural areas. **10**

(c) Explain the role of Social Work and Research Centre (SWRC) for sustainable development in Tilonia, Rajasthan. **10**

4. Attempt **any four** of the following in about **200** words each :

(a) Fundamental Rights enshrined in the Constitution of India (1950) 5

(b) Objectives base of Voluntary Associations in a democratic society 5

(c) Basic characteristics of bureaucratic administration 5

(d) NGO -Typology based on Orientation 5

(e) Charitable companies 5

(f) Strengths and Limitations of CBOs 5

5. Write short notes on **any five** of the following in about **100** words each.

(a) Magna Carta 4

(b) Verstehn 4

(c) Rational Systems Model of Organisation 4

(d) Service Organisations 4

(e) Defining characteristics of VOs/NGOs 4

(f) Social Movement Organisations 4

(g) Forest Management Committee (FMC) 4

(h) Jal Biradari 4

एम.ए. (ग्राम विकास)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2012

एम.आर.डी.ई.-002 : ग्राम विकास में स्वैच्छिक क्रिया

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i)* ***सभी पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) ***सभी*** *प्रश्नों के* ***अंक समान*** *हैं।*

(iii) प्रश्न सं. ***1*** *और* ***2*** *के उत्तर (प्रत्येक)* ***800*** *शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।*

---

1. लोकतांत्रिक समाज में स्वैच्छिक संघों के मौलिक सिद्धांतों का वर्णन कीजिए। 20

अथवा

स्वैच्छिक संगठनों की संरचना की बुनियादी विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए। 20

2. ग्रामीण क्षेत्रों में वी.ओज़/एन.जी.ओज़ के समक्ष आने वाली समस्याओं की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

ग्राम विकास के संदर्भ में राज्य और एन.जी.ओज़. की क्षमता निर्माण के बीच संबंध पर चर्चा कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **400** शब्दों में दीजिए :

(a) क्रिया के स्वैच्छिकवादी सिद्धांत के अनिवार्य तत्वों की व्याख्या कीजिए। **10**

(b) ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक रूपांतरण के संदर्भ में वी.ओज़. के महत्वपूर्ण मुद्दों की चर्चा कीजिए। **10**

(c) तिलोनिया, राजस्थान के स्थायी विकास में सोशल वर्क एंड रिसर्च सेंटर (SWRC) की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। **10**

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** के उत्तर (प्रत्येक) लगभग **200** शब्दों में दीजिए :

(a) भारत के संविधान में प्रतिष्ठापित मौलिक अधिकार 5

(b) लोकतांत्रिक समाज में स्वैच्छिक संघों का वास्तविक आधार 5

(c) नौकरशाही प्रशासन की मूल विशेषताएं 5

(d) एन.जी.ओज़. का उन्मुखता पर आधारित वर्गीकरण 5

(e) धर्मार्थ कंपनियां 5

(f) सी.बी.ओज़. की शक्तियां और सीमाबद्धताएं 5

5. निम्नलिखित में से **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ (प्रत्येक) लगभग **100** शब्दों में दीजिए :

(a) महाधिकार पत्र (Magna Carta) **4**

(b) फर्स्टेन अर्थात सोच समझ **4**

(c) संगठन का तर्कसंगत प्रणाली मॉडल 4

(d) सेवा संगठन 4

(e) वी.ओज़./एन.जी.ओज़. की पारिभाषिक विशेषताएं 4

(f) सामाजिक आंदोलन संगठन 4

(g) वन प्रबंधन समिति 4

(h) जल बिरादरी 4